

गोपाल ५५ मार्च

रजा सहाब,

को वाद सलाह के मालूम हो यहाँ सब  
उत्तरित हैं आप की उत्तरित की दुआ  
करते हैं।

मैं १४ फरवरी को इम्फाल गया था कल ही  
लोटा हूँ वहाँ काल इडिया आर्टिस्ट केम्प था  
दिल्ली में मि. पदंगंवकर सहाब के यहाँ जाना  
था उसदिन मुझे चाफ़ी इन्तजार आटो  
का किया मिला नहीं ६ बजे से ८ बजे तक  
मैंने बहुत कोशिश की आटो को ज्यादा  
पैसे भी देने चाहि मगर वो लोग अपने घर  
की तरफ ही जाने के लिये तैयार थे होटल  
इन्टरनेशनल तक जाने को तैयार ही नहीं  
हुँ शक को वो लोग ऐसी सवारी चुने रहे।

मैं बहुत मायूस हुआ दूसरे दिन सुबह  
६ बजे मैं वापस लौट आया कल आपसे  
हो नहीं पाई फिर भारत गवन के केम्प था  
इन्डियंस का उस काम में लग गया उसके  
बाद १४ ता. को मनिपुर केम्प में गया  
कल लौटा हूँ।

शरन अण्णाराव का लेटर मिला है वो  
कॉर्ड ग्रुप जो कर रही है शायद आपने  
उन्हे कहा है वो सिमिकर में मुझे  
कॉन्क्लेश, निकल और ~~आपके~~ लोग  
कोन है पता नहीं

आई हेरिटेज से भी लॉट्स के  
बाद स्वत मिला वो एप्रैल में  
काम भाग रही हैं; ठीक उसी  
तैयारी में लग रहा हूँ देखें  
आई हेरिटेज में केसा Show  
होता है।

फ्रांसीसी एम्बेसी से लेटर और पेपर  
कटिंग एनाउंसमेंट के सौर में मिला  
मे ठीक पासपोर्ट के लिये भी  
एप्लाइ करता हूँ।

आप तो शायद पून तक पेरिस  
में रहेंगे जब आप गोरबियो  
में रहने जायें तो लिखना वह जायेंगे  
ताकी में स्वत उस पते पर लिखू

उम्मीद है आप भारत से

शुद्धा वरचक्षा लोटे होंगे।

उस दिन आपके साथ पदगानकर  
सहाक के पास न जाने का दुश्क  
हैं।

अब मेरा सारा ध्यान ART HERITAGE  
के Show के लिए है। वक्त तो कम है  
देखें क्या होता है। मैं आपको  
जो नये काम के फोटो समर्पित में दिखाये  
थे उनमें से दो काम नेशनल गैलरी  
ने लिये हैं। उनका भी अभी खत  
मिला है।

ऐसा लगता है समय बहुत जल्दी बीत  
रहा है समय की ठीक कमी महसूस  
होती है पहले लगता था समय बहुत  
है।

आपने भी नया काम शुरू कर दिया होगा  
जल्दी ही आपको फिर लिखूंगा।

आपका  
प्रेम